चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 27 मई 2026, अंक –290.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

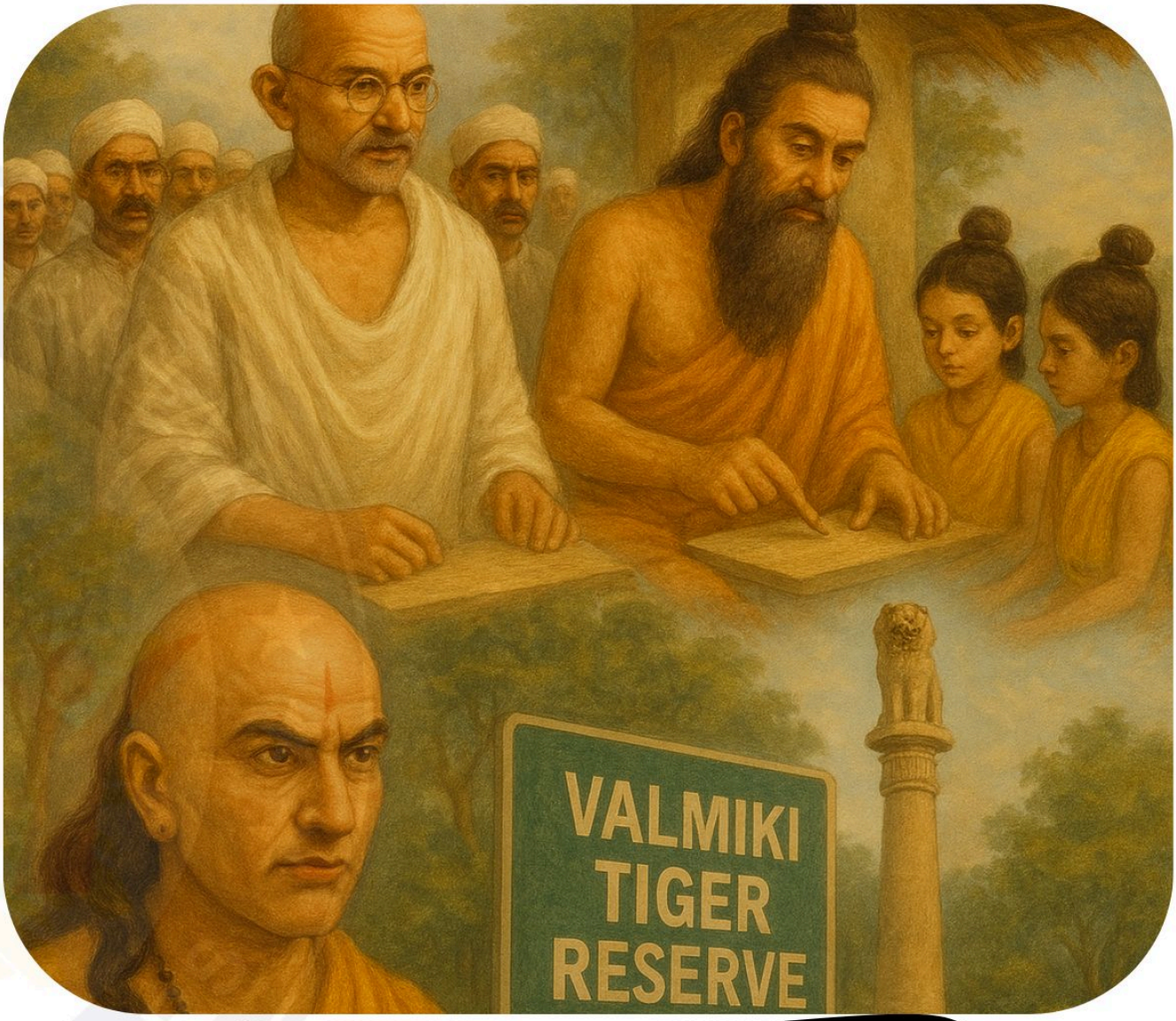

"साहस के बिना जीवन एक नीरस यात्रा है।"

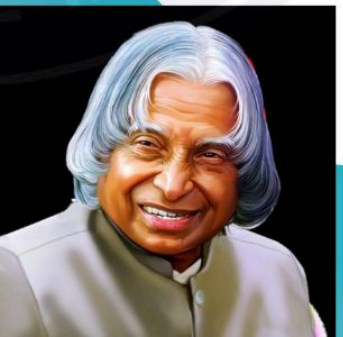

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है.....।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है.....।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है.....।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सकें।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है.....।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. मलेशिया की राजधानी क्या है?
उत्तर: कुआलालंपुर
प्रश्न 2. भारत के राष्ट्रीय प्रतीक 'सत्यमेव जयते' को किस उपनिषद से लिया गया है?
उत्तर: मुण्डक उपनिषद
प्रश्न 3. 'बोनालू' उत्सव किस राज्य में मनाया जाता है?
उत्तर: तेलंगाना
प्रश्न 4. 999 की अनुवर्ती संख्या (After Number) क्या है ?
उत्तर: 1000
प्रश्न 5. बिहार में स्थित 'बराबर गुफाएँ' किस जिले में हैं?
उत्तर: जहानाबाद
प्रश्न 6. काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान किस जीव के लिए प्रसिद्ध है?
उत्तर: एक सींग वाला गैंडा
प्रश्न 7. विद्युत पंखे का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: शूयलर स्काट्स व्हीलर
प्रश्न 8. भारत के संविधान में कितनी भाषाओं को अनुसूचित भाषा का दर्जा प्राप्त है?
उत्तर: 22
प्रश्न 9. 'मीठा' शब्द का विलोम क्या है?
उत्तर: कड़वा
प्रश्न 10. पृथ्वी की सतह का लगभग कितना भाग जल से ढका है?
उत्तर: तीन-चौथाई (71%)

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Postman – (पोस्टमैन) – डाकिया
Letterbox – (लेटरबॉक्स) – पत्रपेटी
Envelope – (एन्वेलप) – लिफाफा
Stamp – (स्टैम्प) – डाक टिकट
Parcel – (पार्सल) – पार्सल
Courier – (कूरियर) – कूरियर सेवा
Address – (एड्रेस) – पता

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "वह ... नहीं करता/करती है" (He/She does not ...)

वह नहीं पढ़ता है। – He does not read.
वह नहीं लिखता है। – He does not write.
वह नहीं खेलता है। – He does not play.
वह खाना नहीं खाता है। – He does not eat food.
वह अंग्रेज़ी नहीं सीखता है। – He does not learn English.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 27 मई को भारत के किस महान स्वतंत्रता सेनानी और प्रथम प्रधानमंत्री की पुण्यतिथि मनाई जाती है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: जवाहरलाल नेहरू
व्याख्या: 27 मई 1964 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का निधन हुआ था। वे आधुनिक भारत के निर्माता, प्रखर विचारक और बच्चों के प्रिय 'चाचा नेहरू' थे। उन्होंने देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं, वैज्ञानिक अनुसंधान और औद्योगिक विकास की मजबूत नींव रखी थी।
संदर्भ: Ministry of Culture, India (2026).

2. हाल ही में मई 2026 में नासा (NASA) और इसरो (ISRO) के संयुक्त तत्वावधान में किस महासागर के गहन भू-वैज्ञानिक अध्ययन हेतु 'सिंडिकेट-सी' मिशन शुरू किया गया है? (समसामयिकी)
उत्तर: हिंद महासागर
व्याख्या: मई 2026 में शुरू हुआ यह मिशन हिंद महासागर के नीचे होने वाली प्लेट विवर्तनिकी (Plate Tectonics) और समुद्री जलस्तर में आ रहे बदलावों का उपग्रहीय और महासागरीय डेटा एकत्र करेगा। यह चक्रवात और सुनामी जैसी आपदाओं की पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: NASA-ISRO Joint Science Bulletin, May 2026.

3. मौर्योत्तर काल में रचित सुप्रसिद्ध तमिल व्याकरण ग्रंथ 'तोल्काप्पियम' के रचनाकार कौन माने जाते हैं? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: तोल्काप्पियार
व्याख्या: तोल्काप्पियार ऋषि अगस्त्य के शिष्य थे। उनके द्वारा रचित 'तोल्काप्पियम' संगम साहित्य का एकमात्र उपलब्ध प्राचीनतम तमिल व्याकरण ग्रंथ है। यह पुस्तक न केवल भाषा के नियम बताती है, बल्कि तत्कालीन दक्षिण भारत की सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक स्थिति पर भी प्रकाश डालती है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns (Literature Context)

4. हमारे वायुमंडल की वह कौन सी परत है जो अंतरिक्ष आधारित जीपीएस (GPS) और मोबाइल संचार प्रणालियों को रेडियो तरंगें परावर्तित कर संभव बनाती है? (पर्यावरण)
उत्तर: आयनमंडल
व्याख्या: आयनमंडल (Ionosphere) बाह्य वायुमंडल का हिस्सा है, जो 80 से 400 किमी तक फैला है। इस परत में विद्युत आवेशित कण (Ions) पाए जाते हैं। पृथ्वी से भेजी गई रेडियो तरंगें इसी परत से टकराकर वापस लौटती हैं, जिससे वायरलेस संचार, रेडियो और टेलीविजन प्रसारण संभव होता है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 22.

5. प्राचीन भारत में सुदूर दक्षिण के तमिल क्षेत्रों में रहने वाले उन साधारण हलवाहों या किसानों को क्या कहा जाता था जिनके पास छोटी भूमि होती थी? (इतिहास)
उत्तर: उणवार (Uzhavar)
व्याख्या: प्राचीन तमिल समाज की कृषि संरचना में तीन प्रमुख वर्ग थे। बड़े भू-स्वामियों को 'वेल्ळार' कहा जाता था। साधारण खेती करने वाले हलवाहों या छोटे किसानों को 'उणवार' के नाम से जाना जाता था, जबकि भूमिहीन मजदूरों और दासों को 'कडेसियर' व 'अदिमई' कहा जाता था। यह वर्गीकरण परीक्षाओं में बार-बार पूछा जाता है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 89.

"सामान्य-ज्ञान"

6. दोनों गोलार्धों में 30^{\circ}-35^{\circ} अक्षांशों (उच्चदाब) से 60^{\circ}-65^{\circ} अक्षांशों (निम्नदाब) की ओर वर्ष भर लगातार बहने वाली स्थायी पवनों को क्या कहा जाता है? (भूगोल)

उत्तर: पछुआ पवनें (Westerlies)

व्याख्या: पछुआ पवनें दोनों गोलार्धों में उपोष्ण उच्चदाब कटिबंध से उपध्रुवीय निम्नदाब कटिबंध की ओर चलती हैं। इनकी दिशा पश्चिमी होने के कारण इन्हें 'पछुआ' कहा जाता है। दक्षिणी गोलार्ध में महासागरों की अधिकता के कारण ये अत्यंत तीव्र गति से चलती हैं, जिन्हें 'गरजता चालीसा' या 'प्रचंड पचासा' भी कहा जाता है।

संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 23.

7. भारतीय संविधान का 'अनुच्छेद 22' नागरिकों को मनमानी गिरफ्तारी और नजरबंदी के विरुद्ध कौन सा प्राथमिक संवैधानिक संरक्षण प्रदान करता है? (संविधान)

उत्तर: गिरफ्तारी का कारण जानना

व्याख्या: अनुच्छेद 22 के तहत गिरफ्तार व्यक्ति को तीन मुख्य अधिकार प्राप्त हैं: पहला, उसे गिरफ्तारी का कारण जानने का अधिकार है; दूसरा, उसे अपनी पसंद के वकील से परामर्श करने और बचाव का अधिकार है; और तीसरा, गिरफ्तारी के 24 घंटे के भीतर (यात्रा के समय को छोड़कर) निकटतम मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाना अनिवार्य है।

संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 2 Rights in the Indian Constitution, p. 32.

8. मानव शरीर में 'हृदय' (Heart) के संकुचन और शिथिलन की दर को कृत्रिम रूप से नियंत्रित करने के लिए छाती में लगाए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को क्या कहते हैं? (विज्ञान)

उत्तर: पेसमेकर (Pacemaker)

व्याख्या: जब मानव हृदय का प्राकृतिक नोड (Sinoatrial Node) ठीक से काम नहीं करता और धड़कन अनियमित हो जाती है, तो चिकित्सा विज्ञान में 'पेसमेकर' नामक छोटे उपकरण को त्वचा के नीचे प्रत्यारोपित किया जाता है। यह उपकरण हल्के विद्युत स्पंदन (Electrical Impulses) भेजकर हृदय की गति को सामान्य और नियंत्रित बनाए रखता है।

संदर्भ: NCERT Class 7 Science, Ch 11 Transportation in Animals and Plants / Class 10 Biology Context.

9. कुषाण काल में विकसित हुई 'गांधार मूर्तिकला शैली' का मुख्य केंद्र आधुनिक भौगोलिक स्थिति के अनुसार मुख्य रूप से किस क्षेत्र में स्थित था? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: तक्षशिला और पेशावर

व्याख्या: गांधार कला शैली भारत के उत्तर-पश्चिम सीमा प्रांत (आधुनिक पाकिस्तान और अफगानिस्तान के कुछ हिस्सों) में फली-फूली। तक्षशिला इसका सबसे बड़ा शैक्षिक और कलात्मक केंद्र था। यूनानी शासकों के प्रभाव के कारण इस कला में बौद्ध विषयों को ग्रीक-रोमन कलात्मक तकनीकों के माध्यम से तराशा गया था।

संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns (Cultural Box).

10. बिहार के किस ऐतिहासिक जिले में सम्राट अशोक का सुप्रसिद्ध 'अशोक स्तंभ' स्थित है जिसके शीर्ष पर एक अकेला सिंह उत्तर दिशा की ओर मुंह किए बैठा है और वहाँ कोई लेख उत्कीर्ण नहीं है? (बिहार GK)

उत्तर: वैशाली (कोल्हुआ)

व्याख्या: वैशाली के कोल्हुआ में स्थित यह अशोक स्तंभ मौर्यकालीन कला का एक अद्भुत और पूर्णतः सुरक्षित साक्ष्य है। लाल बलुआ पत्थर से बने इस एकाश्मक स्तंभ के शीर्ष पर एक सिंह बैठा है, जिसका मुख उत्तर दिशा की ओर है, जहाँ बुद्ध ने अपनी अंतिम यात्रा शुरू की थी। इस स्तंभ की अनूठी विशेषता यह है कि इस पर कोई लिखित राजाज्ञा उत्कीर्ण नहीं है।

संदर्भ: बिहार पुरातत्व निदेशालय (Directorate of Archaeology, Bihar) /

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार के अनुसार, भीषण गर्मी और लू (Heatwave) के प्रभाव को कम करने तथा शरीर में शीतलता बनाए रखने के लिए घर पर बना कौन सा पारंपरिक पेय सबसे सुलभ और गुणकारी माना जाता है? (विद्यालय सुरक्षा)

उत्तर: सत्तू का शरबत

व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के मई चतुर्थ शनिवार (लू से बचाव) के दिशा-निर्देशों के अनुसार, गर्मी के दिनों में बच्चों को डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध चने या जौ के 'सत्तू का नमकीन शरबत' (नमक, जीरा और प्याज मिश्रित) देना अत्यंत हितकारी है। यह पेय त्वरित ऊर्जा प्रदान करने के साथ-साथ पेट को ठंडा रखता है और लू के थपेड़ों से शरीर की रक्षा करता है।

12. यदि किसी निश्चित तार्किक नियम के अनुसार 'LOGIC' को 'BHFNK' लिखा जाता है, तो उसी नियम के आधार पर 'CLERK' को क्या लिखा जाएगा? (रीजनिंग)

उत्तर: JQDKB

व्याख्या: इस तार्किक पहेली में शब्द के अक्षरों को पहले पूरी तरह से उलट (Reverse) दिया गया है और फिर प्रत्येक अक्षर से 1 स्थान पीछे (-1) का क्रम अपनाया गया है। जैसे: LOGIC को उल्टा लिखने पर CIGOL बनेगा, फिर C-1=B, I-1=H, G-1=F, O-1=N, L-1=K होगा। इसी प्रकार, CLERK को उल्टा लिखने पर KRELC बनेगा, और प्रत्येक से 1 घटाने पर K-1=J, R-1=Q, E-1=D, L-1=K, C-1=B यानी 'JQDKB' प्राप्त होगा। यह प्रश्न बच्चों की बहु-स्तरीय तार्किक क्षमता को बढ़ाता है।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

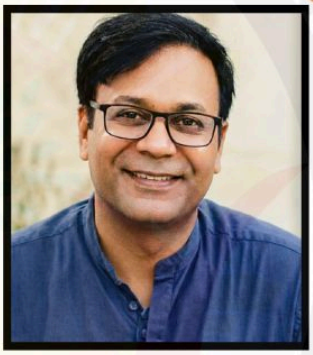

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Fierce (फियर्स) = Intense / Powerful (इन्टेन्स / पावरफुल) = प्रचंड / उग्र
🔁 Antonym – Gentle (जेन्टल) = नम्र / शांत
Glorious (ग्लोरियस) = Magnificent / Splendid (मैग्निफिसेन्ट / स्प्लेन्डिड) = गौरवशाली / शानदार
🔁 Antonym – Shameful (शेमफुल) = शर्मनाक
Harmony (हार्मनी) = Peace / Unity (पीस / यूनिटी) = सामंजस्य / एकता
🔁 Antonym – Conflict (कॉनफ्लिक्ट) = संघर्ष
Inventive (इन्वेन्टिव) = Creative / Innovative (क्रिएटिव / इनोवेटिव) = रचनात्मक / नवीन
🔁 Antonym – Unimaginative (अनइमैजिनेटिव) = अरचनात्मक
Justice (जस्टिस) = Fairness / Equality (फेयरनेस / इक्वालिटी) = न्याय / समानता
🔁 Antonym – Injustice (इनजस्टिस) = अन्याय

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government launches 'Project Bharat-Krishi 2.0'; India to deploy its first dedicated 'Agri-Satellite Constellation' for precise soil-moisture mapping.
केंद्र सरकार ने 'प्रोजेक्ट भारत-कृषि 2.0' की शुरुआत की; देश में सटीक मिट्टी-नमी (soil-moisture) मैपिंग और फसल स्वास्थ्य की रीयल-टाइम निगरानी के लिए भारत का पहला समर्पित कृषि-उपग्रह तारामंडल इस वर्ष के अंत तक लॉन्च किया जाएगा।

Ministry of Electronics and IT (MeitY) unveils 'Cyber-Vajra', an AI-driven automated firewall to protect public sector banks from ransomware.
इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने 'साइबर-वज्र' का अनावरण किया; यह सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को वैश्विक रैनसमवेयर और जटिल मैलवेयर हमलों से चौबीसों घंटे सुरक्षित रखने वाला एक स्वायत्त (AI-driven) सुरक्षा कवच है।

NITI Aayog releases 'National Circular Economy Index 2026'; Indore and Bengaluru top the rankings in urban solid waste upcycling.
नीति आयोग द्वारा जारी 'राष्ट्रीय सर्कुलर इकोनॉमी सूचकांक 2026' में इंदौर और बेंगलुरु ने देश में शीर्ष स्थान हासिल किया; शहरी ठोस कचरे के पुनर्चक्रण (Upcycling) और प्लास्टिक-मुक्त मॉडल में दोनों शहरों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

INTERNATIONAL NEWS

UN Space Agency (UNOOSA) adopts 'The Lunar Orbit Traffic Treaty' to regulate commercial lunar landers and resource exploration paths.
संयुक्त राष्ट्र अंतरिक्ष एजेंसी ने 'लूनर ऑर्बिट ट्रैफिक संधि' को मंजूरी दी; विभिन्न देशों और निजी कंपनियों द्वारा चंद्रमा पर भेजे जा रहे वाणिज्यिक लैंडर्स और रोवर्स के बीच संभावित टकराव को रोकने के लिए नए वैश्विक नियम लागू किए गए।

BBC News: MIT and Tokyo University scientists successfully create 'Self-Repairing Concrete' using bio-engineered bacterial spores.
बीबीसी न्यूज़: एमआईटी और टोक्यो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने 'स्व-मरम्मत करने वाला कंक्रीट' (Self-Repairing Concrete) विकसित किया है; इस कंक्रीट में विशेष जीवाणु (Bacteria) मौजूद हैं, जो दरारें आते ही चूना पत्थर (Limestone) का उत्पादन कर उन्हें स्वतः भर देते हैं।

WHO pre-qualifies 'Chik-Shield', the world's first highly effective single-dose vaccine against Chikungunya virus.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने चिकनगुनिया वायरस के खिलाफ दुनिया के पहले अत्यधिक प्रभावी सिंगल-डोज टीके 'चिक-शील्ड' को वैश्विक उपयोग और आपातकालीन वितरण के लिए मंजूरी दी।

BIHAR NEWS

Bihar Government to build India's first 'Organic Tea and Spice Processing Park' in Kishanganj to boost smallholder farmer income.
बिहार सरकार किशनगंज में देश का पहला 'ओर्गेनिक चाय और मसाला प्रसंस्करण पार्क' स्थापित करेगी; इसके जरिए सीमांचल क्षेत्र के छोटे चाय और मसाला उत्पादक किसानों को आधुनिक पैकेजिंग, लैब-प्रमाणीकरण और अंतरराष्ट्रीय निर्यात बाजार की सुविधा मिलेगी।

SCERT Bihar launches 'Bhasha-Gyan 2026' portal; introduces AI-based speech assistants to improve English and Hindi pronunciation in rural primary schools.
एससीईआरटी बिहार ने 'भाषा-ज्ञान 2026' पोर्टल लॉन्च किया; ग्रामीण क्षेत्रों के प्राथमिक स्कूलों में बच्चों के अंग्रेजी और हिंदी उच्चारण को सुधारने के लिए कक्षाओं में एआई-आधारित वॉयस-असिस्टेंट (Speech Assistants) टूल्स तैनात किए जाएंगे।

SPORTS NEWS

Indian Grandmaster D Gukesh wins the 'Grand Chess Tour 2026' leg in Bucharest; climbs to career-high World No. 2 in FIDE live ratings.
भारतीय शतरंज दिग्गज डी गुकेश ने बुखारेस्ट में आयोजित 'ग्रैंड चेस टूर 2026' का खिताब जीतकर इतिहास रचा; इस शानदार जीत की बदौलत वे फिडे (FIDE) की लाइव रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ विश्व नंबर-2 स्थान पर पहुंच गए हैं।

International Athletic Federation introduces 'Smart-Insole Biometrics' for long-distance runners to monitor real-time muscle fatigue.
अंतर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ ने लंबी दूरी के धावकों के लिए जूतों में 'स्मार्ट-इनसोल बायोमेट्रिक्स' तकनीक को मंजूरी दी; ट्रैक पर दौड़ने के दौरान यह तकनीक एथलीटों के पैरों के दबाव और मांसपेशियों की थकान का रीयल-टाइम डेटा सीधे मेडिकल टीम को भेजेगी ताकि गंभीर चोटों से बचा जा सके।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"NEWS का सही अर्थ केवल सूचनाएं जुटाना नहीं, बल्कि अपनी सोच को वैश्विक और आधुनिक बनाना है। निरंतर अद्यतन रहें।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

"सावधानी का महत्व"

मई का महीना था। सूरज की तपिश दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही थी। विद्यालय में गर्मी की छुट्टियाँ शुरू होने वाली थीं। प्रार्थना सभा में मालती मैडम बच्चों को गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य की सुरक्षा के बारे में जानकारी दे रही थीं।

सभा के बाद अजय अपने दोस्तों के साथ मैदान में खेलने चला गया। दोपहर का समय था। धूप बहुत तेज थी, लेकिन खेल में मग्न अजय ने न तो पानी पिया और न ही सिर ढकने की जरूरत समझी।

कुछ देर बाद उसे चक्कर आने लगे। वह एक पेड़ की छाया में बैठ गया। उसके मित्रों ने देखा कि उसका चेहरा लाल हो गया है और वह बहुत थका हुआ लग रहा है।

तभी वहाँ मालती मैडम पहुँच गईं। उन्होंने तुरंत अजय को छायादार स्थान पर बैठाया और पानी पिलाया। कुछ देर आराम करने के बाद उसकी तबीयत में सुधार हुआ।

मालती मैडम ने बच्चों को समझाया—

"गर्मी के दिनों में हमारा शरीर जल्दी पानी खो देता है। यदि हम पर्याप्त पानी नहीं पीते और तेज धूप में अधिक देर तक रहते हैं, तो लू लग सकती है। इसलिए हमें हमेशा सावधानी बरतनी चाहिए।"

अजय ने पूछा— "मैडम, लू से बचने के लिए हमें क्या करना चाहिए?"

मालती मैडम ने कहा—

"घर से निकलने से पहले पानी पीना चाहिए, सिर को टोपी, गमछे या छाते से ढकना चाहिए, हल्के सूती कपड़े पहनने चाहिए और दोपहर की तेज धूप में अनावश्यक रूप से बाहर नहीं निकलना चाहिए।"

अजय को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने निश्चय किया कि अब वह गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों का पालन करेगा।

अगले दिन उसने अपने मित्रों को भी यही बातें बताईं। सभी बच्चों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं भी सुरक्षित रहेंगे और दूसरों को भी जागरूक करेंगे।

संदेश :"सावधानी की एक छोटी आदत हमें बड़ी परेशानियों से बचा सकती है। स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

अवकाश में विद्यालयों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करें?

अगले कुछ दिनों में विद्यालयों में गर्मी की छुट्टियां आरंभ हो रही हैं और विद्यालय लगभग तीन सप्ताह के लिए बंद होने वाले हैं। इस दौरान विद्यालय में शिक्षकों एवं छात्रों की आवाजाही बंद हो जाती है तथा माहौल सूना सूना हो जाता है। सरकार के विगत वर्षों के प्रयास से आज हमारा विद्यालय सुविधा संपन्न हुआ है जिसके कारण कुछ असामाजिक तत्वों के नजर में भी आ गया है। आय दिन सोशल मीडिया एवं समाचार पत्रों में सरकारी विद्यालयों में ताला तोड़कर विभिन्न सामानों की चोरी हो जाने की खबरें प्रमुखता से प्रकाशित होती रहती हैं। विद्यालय को चोरी से बचाने के लिए हमें निम्न उपाय करने चाहिए:

विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना चाहिए। सुरक्षा व्यवस्था हेतु विद्यालय की चारदीवारी और मुख्य गेट मजबूत बनाना चाहिए। रात में मुख्य गेट पर मजबूत ताला लगाकर सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था करनी चाहिए। यदि विद्यालय में रात्रि प्रहरी की व्यवस्था नहीं हो तो इसके आस-पास के लोगों को सुरक्षा की जिम्मेदारी देनी चाहिए साथ ही यदि संभव हो तो अपनी ओर से कुछ राशि भी उक्त अवधि की सुरक्षा के लिए दी जा सकती है। बिना रात्रि प्रहरी वाले विद्यालय में गाँव/मुहल्ला स्तर पर निगरानी समिति बना सकते हैं।

विद्यालय के सभी कमरों में अच्छे एवं मजबूत ताले लगाना चाहिए। यदि विद्यालय में निधि उपलब्ध हो तो प्रवेश द्वार, कार्यालय, पुस्तकालय, कंप्यूटर कक्ष आदि में CCTV लगाना चाहिए और कैमरों की रिकॉर्डिंग को नियमित रूप से जांचना चाहिए।

कंप्यूटर, प्रोजेक्टर, टीवी, कुर्सी बर्तन आदि पर विद्यालय का नाम लिखवाने की व्यवस्था करनी चाहिए। महंगे सामानों की सूची और सीरियल नंबर सुरक्षित रखना चाहिए।

विद्यालय शिक्षा समिति, अभिभावकों और स्थानीय लोगों को सुरक्षा में शामिल करना चाहिए। आसपास के लोगों को संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने हेतु प्रेरित करते हुए प्रधानाध्यापक को अपना मोबाइल नंबर उन्हें उपलब्ध कराना चाहिए।

विद्यालय परिसर में पर्याप्त लाइट की व्यवस्था रखनी चाहिए ताकि रात्रि में अंधेरे की स्थिति नहीं हो। संभव हो तो सोलर लाइट की व्यवस्था की जा सकती है।

सभी सामग्री का स्टॉक रजिस्टर अद्यतन रखते हुए समय-समय पर भौतिक सत्यापन करते रहना चाहिए।

सुरक्षा हेतु पुलिस से समन्वय बनाकर रखना चाहिए। स्थानीय थाना/पुलिस चौकी को पत्र लिखकर विद्यालय में छुट्टियां आरंभ होने की जानकारी देनी चाहिए तथा विशेष परिस्थिति हेतु अपना एवं आस पास के शिक्षक का मोबाइल नंबर उन्हें उपलब्ध कराना चाहिए। चोरी होने पर तुरंत प्राथमिकी दर्ज करानी चाहिए।

विद्यालय स्तर पर शिक्षकों एवं छात्रों की एक सुरक्षा समिति बनाकर जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। ऐसी व्यवस्था हो की प्रतिदिन विद्यालय खुले। प्रतिदिन कुछ छात्र एवं शिक्षक उपस्थित हों ताकि विद्यालय में चहल-पहल बनी रहे तथा पौधे एवं गमलों में पानी भी दिया जा सके।

छुट्टियों के पहले लैब, कार्यालय, पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास एवं कम्प्यूटर कक्ष, क्रीड़ा कक्ष और स्टोर रूम अपने समक्ष बंद कराना सुनिश्चित करना चाहिए तथा सबकी चाभियां जिम्मेदार व्यक्ति के पास ही रहनी चाहिए। इस प्रकार की गतिविधियों से हम अपने विद्यालय को सुरक्षित रखने में सफल हो सकते हैं।

..................✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की शृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहाः बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोरः पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकताः ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशाः 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : सीतामढ़ी, अंक–4"

बागमती का जल-तंत्र, तराई का भूगोल और कृषि की जिजीविषा

'संपादकीय'

सीतामढ़ी की भौगोलिक बनावट उत्तर बिहार के तराई और मैदानी ढाल का एक ऐसा अनूठा स्वरूप है, जिसका निर्धारण पूरी तरह से यहाँ की नदियों के व्यवहार द्वारा होता है। इस जिले की सबसे प्रमुख जीवनरेखा और चुनौती बागमती नदी है। नेपाल की शिवपुरी पहाड़ियों से निकलकर जब यह नदी ढेंग (Dheng) के समीप सीतामढ़ी में प्रवेश करती है, तो इसका स्वरूप एक संकरी पहाड़ी धारा से बदलकर एक विशाल नदी तंत्र में तब्दील हो जाता है। बागमती के समांतर प्रवाहित होने वाली लखनदेई, मनुसमारा, झीम, रातो और अधवारा समूह की अन्य नदियाँ मिलकर इस पूरे जिले को एक जटिल जलीय जाल (Hydrological Network) में बदल देती हैं। यही नदियाँ यहाँ की मिट्टी को समृद्ध 'भाभर' और 'तराई' जलोढ़ मिट्टी से पाटती हैं, जो कृषि के लिए असाधारण रूप से उपजाऊ है।

इस जिले के भूगोल की एक विशिष्ट स्थानीय पहचान यहाँ के 'चौर' और 'मन' (प्राकृतिक आर्द्रभूमियाँ) हैं, जिनमें हसनपुर चौर और सुरसंड-पुपरी बेल्ट के चौर प्रमुख हैं। ये जलस्रोत बाढ़ के अतिरिक्त पानी को सोखने के लिए प्राकृतिक बेसिन का कार्य करते हैं। जल प्रबंधन की इस अनूठी भौगोलिक स्थिति के कारण सीतामढ़ी की कृषि मुख्य रूप से तीन फसलों (भदई, अगहनी और रबी) पर आधारित है। पुपरी और बाजपट्टी के इलाकों में धान की उत्कृष्ट किस्में उगाई जाती हैं, जबकि सुरसंड और रीगा के क्षेत्रों में गन्ने की खेती यहाँ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मुख्य नकदी आधार रही है। नदियों द्वारा लाई गई महीन गाद के कारण तराई बेल्ट में दलहन (विशेषकर खेसारी, मसूर) और तेलहन की पैदावार बिना किसी कृत्रिम उर्वरक के भी रिकॉर्ड स्तर पर होती है।

परंतु, इस अद्भुत जलीय भूगोल का दूसरा पहलू अत्यधिक चुनौतीपूर्ण है। मानसून के दौरान जब नेपाल के पहाड़ों पर भारी वर्षा होती है, तो बागमती, लखनदेई और अधवारा समूह की नदियाँ अचानक उफान पर आ जाती हैं। इसके कारण रुन्नीसैदपुर, सुप्पी, बेलसंड और सोनबरसा जैसे निचले प्रखंड प्रत्येक वर्ष बाढ़ की गंभीर विभीषिका का सामना करते हैं। बागमती का बार-बार अपना रास्ता बदलना (River Course Shifting) और तटबंधों पर पानी का दबाव स्थानीय भूगोल को हर साल एक नया स्वरूप दे देता है। बाढ़ का यह पानी जब कृषि भूमि पर ठहरता है, तो भारी आर्थिक क्षति होती है, लेकिन पानी उतरने के बाद जो नई 'कांप' (गाद) खेतों में छूटती है, वह रबी की फसलों के लिए अमृत समान साबित होती है। यह प्रकृति का एक ऐसा चक्र है जिसके साथ यहाँ के किसानों ने जीना सीख लिया है।

भौगोलिक सीमांत की दृष्टि से सीतामढ़ी की अंतरराष्ट्रीय अवस्थिति इसके महत्व को और बढ़ा देती है। भिट्ठामोड़, सोनबरसा और सुरसंड जैसे सीमावर्ती बिंदु न केवल भारत-नेपाल के भौगोलिक जुड़ाव को दर्शाते हैं, बल्कि ये नदियाँ दोनों देशों के बीच पर्यावरण और जल-साझाकरण संधियों (Water Sharing Treaties) के अंतरराष्ट्रीय विमर्श का मुख्य केंद्र हैं। इन क्षेत्रों की जलवायु अर्ध-उष्णकटिबंधीय (Sub-tropical) है, जिससे यहाँ न केवल पारंपरिक अनाज बल्कि बागवानी (आम और मालभोग केला) की खेती के लिए भी एक बेहतरीन स्थानीय वातावरण तैयार होता है।

अंततः, सीतामढ़ी का यह सूक्ष्म भौगोलिक ताना-बाना यह स्पष्ट करता है कि यहाँ की जीवनशैली पूरी तरह से प्रकृति की लय पर थिरकती है। बागमती के उफान से लेकर ढेंग पुल के शांत जल तक और बाढ़ की तबाही से लेकर लहलहाते खेतों की हरियाली तक—यह जिला प्राकृतिक चुनौतियों और मानवीय साहस के अद्भुत संतुलन की गाथा है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए इस विशिष्ट तराई भूगोल, नदी प्रणालियों और जलीय विभीषिका का यह वैज्ञानिक व व्यावहारिक विश्लेषण उत्तर बिहार की आर्थिक-भौगोलिक संरचना को समझने की एक अत्यंत प्रामाणिक और गहरी समझ प्रदान करता है।

.....

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org